Regarding the terror of Tigers and Leopard in the Dhaurahara Parliamentary Constituency

श्री आनंद भदौरिया **(**धौरहरा**) :** सभापति महोदय, मेरे लोक सभा क्षेत्र धौरहरा-मोहम्मदी के अटवा, पिपरिया इलाके में, कस्ता के पाल्हापुर इलाके में, महोली के अमिरता इलाके में, नन्ही कटघरा और धौरहरा के कैरातीपुरवा इलाके में बाघ तथा तेंदुए का इतना आतंक है कि पिछले दो महीनों में जब से हम लोग सांसद बने हैं, तब से तीन कैजुअल्टीज़ हो चुकी हैं । बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं । किसान अपने खेतों पर नहीं जा पा रहे हैं ।

सभापति जी, मैं आपके माध्यम से मांग करता हूँ कि इसकी रोकथाम की जाए । आप कल्पना कीजिए कि दिल्ली में बाघ आ जाए, तेंदुआ आ जाए, कहीं संसद में आ जाए । ? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** माननीय सदस्य, आपकी बात आ गई है ।